नशामुक्ति एवं पर्यावरण जन–जागृति अभियान के बढ़ते कदम.....

कोरबाः 2.06.2017–प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के तत्वाधान में नशामुक्ति एवं पर्यावरण जन–जागृति सप्ताह के द्वितीय दिवस तथा अंतर्राष्ट्रोय तम्बाकू निषेध दिवस पर डॉ. के.सी.देबनाथ एम. डी. एवं डॉ.एस.एस सब्बरवाल के द्वारा 150 मरीजों का इलाज किया गया। डॉ.के.सी.देबनाथ ने कहा कि नशा करने वाले लोगों के मन नशा छोड़ने के लिये जागृत हो रहें हैं और वो आकर यहॉ अपना इलाज करा रहें हैं। आपने कहा कि जब तक व्यक्ति अपने मनोबल को नहीं बढ़ाता है, तब तक दवाओं का असर उतना नहीं होता ह। इस तरह के शिविर में तथा चित्र प्रदर्शनी के द्वारा लोगों के मन में यह जाग्रति आती है कि नशा एक बहुत ही बुरी लत है तथा एक धीमा जहर है। भ्राता विश्वास राव मेश्रराम डिप्टी कलेक्टर कोरबा ने कहा कि मुझे बहुत अच्छा लग रहा है कि यहां हम एक शुभ कार्य के लिये एकत्रित हुए हैं। एक आदमी जिन्दा है इसकी यही पहचान है कि हमारे अन्दर की चेतना जाग्रत है। नशा एक ऐसी बुरी लत है जो कि अंदर की चेतना को कुन्द कर, मुर्दा बना देती है, अच्छे बुरे का निर्णय लेने की शक्ति समाप्त हो जाती है। आपने वातावरण व पर्यावरण के प्रदूषित होने पर भी चिन्ता व्यक्त करते हुए कहा कि कोरबा को स्मोकलेश कोरबा बनाने के लिये हम सभी को प्रयास करना होगा। डॉ.एस.एस. सब्बरवाल ने कहा कि नशा पैसा ही नहीं लेकिन मन मस्तिष्क को भी प्रभावित करता है। नशा नाना प्रकार की बीमारियों का कारण बनता है। मेरा तो यही कहना है कि नशा करना है, तो भगवान की असीमित प्राप्तियों का नशा करो। देवत्व को प्राप्त करने का नशा करें। आपने लोगों से अपील की कि रोज आकर ब्रह्माकुमारी आश्रम पर एक घंटे का समय दीजिये तो, सभी नशे से मुक्ति मिल जायेगी। भ्राता दिनेश सोनी पार्षद वार्ड क. 11 न.पा. नि. ने आयोजन में आये हुए सभी अतिथियों का सहृदय से धन्यवाद ज्ञापन करते हुए कहा कि आज हमारे वार्ड वासियों का यह सौभाग्य है कि ब्रह्माकुमारी संस्थान के द्वारा नशा मुक्ति के कार्यकम तथा विशेषज्ञ डॉक्टरों के द्वारा स्वास्थय परीक्षण किया गया। इसके साथ वृक्षारोपण भी किया गया।

अभियान के तीसरे दिन में काशीनगर में आयोजित कार्यकम में भ्राता मनहरण राठौर पार्षद वार्ड क. 20 ने सभी अतिथियों एवं नगर वासियों का सहृदय से स्वागत करते हुए कहा कि काशीनगर को विश्व काशीनाथ शिव की नगरी बनानी है। इस शुभवेला में महिलायें संकल्प लें कि काशीनगर को नशा–मुक्त वार्ड बनाना है। बहन मोतीमणि साहू तथा बहन देवी राठौर ने वार्ड को नशा मुक्त करने के लिये संदेश

दिया। लोगों को वृक्षारोपण करने के लिये पौधे भी वितरित किये गये। लगभग 170 लोगों का स्वास्थ परीक्षण किया गया एवं उपस्थित लोगों ने नशा छोड़ने का संकल्प लिया।
मानवता की सेवा में, ब्रह्माकुमारी रूकमणी